नीचे लिखे काव्यांशों को पढ़िए और उनके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1

सिंहासन हिल उठे, राजवंशों ने भृकुटी तानी थी,
बूढ़े भारत में भी आई फिर से नयी जवानी थी,
गुमी हुई आज़ादी की कीमत सबने पहचानी थी,
दूर फ़िरंगी को करने की सबने मन में ठानी थी,

चमक उठी सन् सत्तावन में
वह तलवार पुरानी थी।
बुंदेले हरबोलों के मुँह
हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो
झाँसीवाली रानी थी।। *(पृष्ठ 69)*

शब्दार्थ : **सिंहासन**–शासन सत्ता/शासक। **हिल उठे**–परिवर्तन हुआ, खलबली मच गई। **राजवंश**–राजाओं के परिवार। **भृकुटी तानना**–क्रोध करना। **बूढ़े भारत**–प्राचीन कमज़ोर भारत। **नयी जवानी**–जोश, उत्साह। **गुमी हुई**–खोई हुई। **आज़ादी**–स्वतंत्रता। **कीमत**–मूल्य। **फ़िरंगी**–अंग्रेज। **ठानी थी**–निश्चय किया था। **बुंदेले हरबोलों**–बुंदेलखंड की एक विशेष जाति जो राजा-महाराजाओं के यश गाती थी। **मर्दानी**–मर्दों जैसी, वीर, बलवान।

बहुवैकल्पिक प्रश्नोत्तर

1. *यह पद्यांश किस समय की दशा दर्शा रहा है?*

(क) भारत की परतंत्रता की (ख) भारत की स्वतंत्रता की

(ग) भारत पर अंग्रेज़ी शासन की (घ) भारत पर मुगल शासन की

2. *'सिंहासन हिल उठे, राजवंशों ने भृकुटी तानी थी' का आशय स्पष्ट कीजिए।*

(क) राजपरिवारों में अंग्रेज़ी शासन के विरुद्ध रोष उत्पन्न होना और उनका स्वतंत्रता प्राप्ति हेतु संघर्ष करना।

(ख) अंग्रेज़ों का राजवंशों के प्रति विद्रोह

(ग) राजवंशों का अंग्रेज़ों के साथ मिल जाना

(घ) भारतीय शासकों का अपने देश का झंडा फहरा देना।

3. *भारत को बूढ़ा क्यों कहा गया है?*

(क) क्योंकि भारत के शासक बूढ़े हो चुके थे।

(ख) क्योंकि भारतीयों ने स्वतंत्रता प्राप्ति का विचार छोड़कर एक ढर्रे पर जीना शुरू कर दिया था।

(ग) क्योंकि भारत में बूढ़े लोगों की संख्या बढ़ गई थी।

(घ) इनमें से कोई नहीं।

4. *गुमी हुई आज़ादी को पाने के लिए क्या किया गया?*

(क) अंग्रेज़ों के समक्ष प्रार्थना की गई।

(ख) परतंत्र भारत के लोगों ने आज़ादी का मूल्य पहचाना और उसे प्राप्त करने हेतु संघर्ष शुरू कर दिया।

(ग) लोगों को अपने देश को छोड़कर जाने को कहा गया।

(घ) अच्छे अच्छे नेताओं का चयन किया गया।

5. *यह गीत किनके द्वारा गाया गया?*

(क) रानी लक्ष्मीबाई द्वारा (ख) कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान द्वारा

(ग) बुंदेलखंड के लोकगायकों द्वारा (घ) बुंदेलखंड के वीर सेनानियों द्वारा

उत्तर– 1. (ग) 2. (क) 3. (ख) 4. (ख) 5. (ग)

2

कानपूर के नाना की मुँहबोली बहन 'छबीली' थी,
लक्ष्मीबाई नाम, पिता की वह संतान अकेली थी,
नाना के संग पढ़ती थी वह, नाना के संग खेली थी,
बरछी, ढाल, कृपाण, कटारी उसकी यही सहेली थी,

वीर शिवाजी की गाथाएँ
उसको याद ज़बानी थीं।
बुंदेले हरबोलों के मुँह
हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो
झाँसीवाली रानी थी।।

(पृष्ठ 70)

शब्दार्थ : **मुँहबोली**–मुँह से बोली हुई मानना। **छबीली**–सुंदर। **संग**–साथ। **कटारी**–छोटी तलवार। **गाथा**–कहानी। **ज़बानी**–मौखिक।

बहुवैकल्पिक प्रश्नोत्तर

1. *इस पद्यांश में लक्ष्मीबाई के जीवन के किस काल का चित्रण मिलता है?*
   (क) बाल्यकाल का (ख) युवा काल का (ग) प्रौढ़ अवस्था का (घ) इनमें से कोई नहीं।
2. *'नाना' शब्द किसके लिए प्रयोग किया गया है?*
   (क) नाना साहिब (बाजीराव पेशवा) (ख) लक्ष्मीबाई के नाना
   (ग) लक्ष्मीबाई का बड़ा भाई (घ) कानपुर का शासक
3. *लक्ष्मीबाई को बचपन में क्या शौक था?*
   (क) खूब खेलने का (ख) हाथी की सवारी का
   (ग) बरछी, ढाल, कृपाण और कटारी चलाने का (घ) छोटे-छोटे राजाओं पर आक्रमण करने का
4. *लक्ष्मीबाई को कौन-सी कहानियाँ मुँह जबानी याद थीं?*
   (क) ताँत्या टोपे की (ख) वीर शिवाजी की (ग) नाना साहिब की (घ) अंग्रेज़ों की
5. *झाँसी वाली रानी को मर्दानी क्यों कहा?*
   (क) अपनी सेना में वह मर्दों में लड़ने वाली अकेली महिला थी।
   (ख) उसके पास सभी अस्त्र-शस्त्र थे।
   (ग) वह मर्दों की तरह लगती थी।
   (घ) वह मर्दों की भाँति वीरता से लड़ती थी। उसने साहसपूर्वक अंग्रेज़ों का सामना किया।

उत्तर– 1. (क) 2. (क) 3. (ग) 4. (ख) 5. (घ)

3

लक्ष्मी थी या दुर्गा थी वह स्वयं वीरता की अवतार,
देख मराठे पुलकित होते उसकी तलवारों के वार,
नकली युद्ध, व्यूह की रचना और खेलना खूब शिकार,
सैन्य घेरना, दुर्ग तोड़ना, ये थे उसके प्रिय खिलवार,

महाराष्ट्र-कुल-देवी उसकी
भी आराध्य भवानी थी।
बुंदेले हरबोलों के मुँह
हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो
झाँसीवाली रानी थी।। *(पृष्ठ 70)*

शब्दार्थ : **लक्ष्मी**–धन की देवी। **दुर्गा**–एक देवी जिसने राक्षसों को मार गिराया था। **वीरता की अवतार**–बहुत वीर, वीरता का साक्षात् रूप। **पुलकित**–प्रसन्न। **वार**–आक्रमण। **व्यूह**–घेरा। **सैन्य**–सेना। **दुर्ग तोड़ना**–किलों को तोड़ना। **खिलवार**–खेल। **आराध्य**–जिसकी आराधना, पूजा की जाए। **भवानी**–दुर्गा।

बहुवैकल्पिक प्रश्नोत्तर

1. *लक्ष्मीबाई को दुर्गा का अवतार क्यों कहा जाता था?*

(क) जैसे देवी दुर्गा ने राक्षसों का वध किया वैसे ही लक्ष्मीबाई भी अंग्रेज़ों से लोहा ले रही थी।
(ख) लक्ष्मीबाई का चेहरा माँ दुर्गा की भाँति चमक रहा था।
(ग) लक्ष्मीबाई माँ दुर्गा का अवतार थी।
(घ) लक्ष्मीबाई ने भी माँ दुर्गा की भाँति राक्षसों का वध किया था।

2. *मराठे लक्ष्मीबाई को देखकर किस कारण प्रसन्न होते थे?*

(क) लक्ष्मीबाई के रूप सौंदर्य को देखकर
(ख) लक्ष्मीबाई की सेना व धन संपत्ति को देखकर
(ग) लक्ष्मीबाई की वीरता, तलवार का वार व शत्रु सेना को घेरने की व्यूह रचना देखकर
(घ) लक्ष्मीबाई की शासन प्रणाली देखकर

3. *लक्ष्मीबाई कौन से खेल खेलती थी?*

(क) नकली युद्ध करना, व्यूह रचना बनाना, शिकार करना, सेना को घेरना, किलों को तोड़ना आदि
(ख) नकली युद्ध करना, व्यूह रचना बनाना, शिकार करना, सेना को घेरना, किलों को तोड़ना, कबड्डी आदि
(ग) नकली युद्ध करना, व्यूह रचना बनाना, शिकार करना, सेना को घेरना, किलों को तोड़ना, युद्ध से भाग जाना आदि
(घ) इनमें से कोई नहीं।

4. *लक्ष्मीबाई की आराध्या कौन थी?*

(क) लक्ष्मी देवी (ख) भवानी देवी (ग) काली देवी (घ) चामुंडा देवी

5. *बुंदेलखंड के लोकगायकों द्वारा क्या कथा सुनाई गई?*

(क) झाँसी की रानी ने अंग्रेज़ों का मुकाबला डटकर किया। (ख) झाँसी की रानी ने अंग्रेज़ों को मात दी।
(ग) झाँसी की रानी अंग्रेज़ों के हाथ नहीं आई। (घ) झाँसी की रानी के समक्ष अंग्रेज़ झुक गए।

उत्तर– 1. (क) 2. (ग) 3. (क) 4. (ख) 5. (क)

हुई वीरता की वैभव के साथ सगाई झाँसी में,
ब्याह हुआ रानी बन आई लक्ष्मीबाई झाँसी में,

बहुवैकल्पिक प्रश्नोत्तर

1. *लक्ष्मीबाई को दुर्गा का अवतार क्यों कहा जाता था?*
   (क) जैसे देवी दुर्गा ने राक्षसों का वध किया वैसे ही लक्ष्मीबाई भी अंग्रेज़ों से लोहा ले रही थी।
   (ख) लक्ष्मीबाई का चेहरा माँ दुर्गा की भाँति चमक रहा था।
   (ग) लक्ष्मीबाई माँ दुर्गा का अवतार थी।
   (घ) लक्ष्मीबाई ने भी माँ दुर्गा की भाँति राक्षसों का वध किया था।
2. *मराठे लक्ष्मीबाई को देखकर किस कारण प्रसन्न होते थे?*
   (क) लक्ष्मीबाई के रूप सौंदर्य को देखकर
   (ख) लक्ष्मीबाई की सेना व धन संपत्ति को देखकर
   (ग) लक्ष्मीबाई की वीरता, तलवार का वार व शत्रु सेना को घेरने की व्यूह रचना देखकर
   (घ) लक्ष्मीबाई की शासन प्रणाली देखकर
3. *लक्ष्मीबाई कौन से खेल खेलती थी?*
   (क) नकली युद्ध करना, व्यूह रचना बनाना, शिकार करना, सेना को घेरना, किलों को तोड़ना आदि
   (ख) नकली युद्ध करना, व्यूह रचना बनाना, शिकार करना, सेना को घेरना, किलों को तोड़ना, कबड्डी आदि
   (ग) नकली युद्ध करना, व्यूह रचना बनाना, शिकार करना, सेना को घेरना, किलों को तोड़ना, युद्ध से भाग जाना आदि
   (घ) इनमें से कोई नहीं।
4. *लक्ष्मीबाई की आराध्या कौन थी?*
   (क) लक्ष्मी देवी (ख) भवानी देवी (ग) काली देवी (घ) चामुंडा देवी
5. *बुंदेलखंड के लोकगायकों द्वारा क्या कथा सुनाई गई?*
   (क) झाँसी की रानी ने अंग्रेज़ों का मुकाबला डटकर किया। (ख) झाँसी की रानी ने अंग्रेज़ों को मात दी।
   (ग) झाँसी की रानी अंग्रेज़ों के हाथ नहीं आई। (घ) झाँसी की रानी के समक्ष अंग्रेज़ झुक गए।

उत्तर– 1. (क) 2. (ग) 3. (क) 4. (ख) 5. (क)

हुई वीरता की वैभव के साथ सगाई झाँसी में,
ब्याह हुआ रानी बन आई लक्ष्मीबाई झाँसी में,

राजमहल में बजी बधाई खुशियाँ छाई झाँसी में,
सुभट बुंदेलों की विरुदावलि-सी वह आई झाँसी में,

चित्रा ने अर्जुन को पाया,
शिव से मिली भवानी थी।
बुंदेले हरबोलों के मुँह
हमने सुनी कहानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो
झाँसीवाली रानी थी।।

(पृष्ठ 70-71)

शब्दार्थ : **वैभव**–ऐश्वर्य, धन दौलत। **ब्याह**–विवाह। **बधाई बजना**–बधाई के गीत गाना, खुशियाँ मनाना। **सुभट**–वीर योद्धा। **विरुदावलि**–प्रशंसा एवं यश के गीत। **चित्रा**–सत्ताइस नक्षत्रों में से एक नक्षत्र।

रानी लक्ष्मीबाई एक वीरांगना थी।

बहुवैकल्पिक प्रश्नोत्तर

1. *लक्ष्मीबाई की सगाई किस राजा से हुई?*
   (क) दिल्ली के शासक गंगाधर राव से
   (ख) झाँसी के शासक गंगाधर राव से
   (ग) लखनऊ के शासक गंगाधर राव से
   (घ) कश्मीर के शासक गंगाधर राव से
2. *'हुई वीरता की वैभव के साथ सगाई झाँसी में' का भाव बताइए।*
   (क) लक्ष्मीबाई वीरता की मूर्ति व राजा गंगाधर राव धन संपत्ति वैभव के प्रतीक थे।
   (ख) गंगाधर के पास अपार शक्ति व अपार धन दौलत थी।
   (ग) गंगाधर की अपार धन दौलत अंग्रेज़ों ने हड़प ली।
   (घ) गंगाधर राव को धन दौलत से लगाव न था।
3. *झाँसी में खुशियाँ क्यों छा गईं?*
   (क) झाँसी के राजा की लक्ष्मीबाई से सगाई होने पर
   (ख) झाँसी के राजा की लक्ष्मीबाई से शादी होने पर
   (ग) झाँसी के राजा द्वारा धन संपत्ति बाँटने पर
   (घ) झाँसी के राजा द्वारा एक के बाद एक प्रांत विजय करने पर।
4. *चित्रा और भवानी कौन थी?*
   (क) रानियाँ (ख) नृतकियाँ (ग) वीरांगनाएँ (घ) मंत्राणियाँ
5. *लक्ष्मीबाई को कवयित्री ने चित्रा और दुर्गा की संज्ञा क्यों दी?*
   (क) क्योंकि वे देखने में रानी लक्ष्मीबाई जैसी थीं।
   (ख) क्योंकि लक्ष्मीबाई भी इन वीरांगनाओं की भाँति थी।
   (ग) क्योंकि चित्रा और दुर्गा भी गंगाधर की रानियाँ थीं।
   (घ) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर– 1. (ख) 2. (क) 3. (ख) 4. (ग) 5. (ख)